सरकार, वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 352(ई) दिनांक 30 आर्च, 1988 में निम्नीलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :---

उपर्युक्त खुने भासान्य लाइसेंस सं. 24/88 में गर्त सं.(2) में ''वाणिज्य मंत्रालय'' शब्दों के स्थान पर ''निर्यात आयुक्त, मुख्य निर्यंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली'' शब्दों को प्रतिस्थापित किया अभ्येगा।

[फा . सं . 6/95/88-ईपी मी] ह०/-(राजीव लोखन मिश्र)

मुख्य नियंत्रक आयात एवं नियति

नोट:---मुख्य आदेश दिनांक 30 मार्च, 1988 के का. आ. 352(ई) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया था।

## MINISTRY OF COMMERCE IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 37|88-91

New Delhi, the 30th September, 1988-

S.O. 899(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the lm ports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following amendment in the Open General Licence No. 24|88 dated the 30th March, 1988 published under the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 352(E) dated the 30th March, 1988, namely:—

In the said Open General Licence No. 24/88, in condition number (2), for the words "Ministry of Commerce", the words "Export Commissioner in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, Udyog Bhawan, New Delhi" shall be substituted.

[File No. 6|95|38-EPC]

Sd|-

(R. L. MISRA)

Chief Controller of Imports & Exports.

NOTE: The Principal Order was published vide No. S.O. 352(E) dated the 30th March, 1988.

## He Gazette of India

## असाधारण EXTRAGRDINARY

भाग 11---वण्ड 3---उप-ल्प्ड (ii) PART 11---Section 3----Sub-Section (d)

प्रतिथकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY 11/4/89

सं. 497]

मई दिल्ली, शुक्रदार, सितम्बर ३०, १९८८/आध्यम ८, १९१०

No. 497] NEW DETHI, FRIDAY, SEPTEMBER 30, 1988/ASSIES 8, 1910

अस भाग में भिन्त पुष्ठ संख्या **वी जाती है जिससे कि यह** असम संकलन को रूप में रखा था सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिक्य मंत्रालय

(चाम नियंत्रण)

नर्श विल्ली, 30 सितम्बर, 1988

अधिस्चना

का. आ. 900(अ);—फेन्द्रोय सरकार चाय विश्वम, 1951 के नियम 4 और नियम 5 के साथ पठित, चाय अधिगियम, 1953 (1953 का 29) की नारा 4की उपधारा(3)